

गगन मै थालु

Gagan Mai Thaal



www.MandirTheTemple.com

धनासरी महला १ आरती
१९ सतिगुर प्रसादि॥

गगन मै थालु रवि चंदु दीपक बने तारिका मंडल जनक मोती॥
धूपु मलआनलो पवणु चवरो करे सगल बनराइ फूलंत जोती॥१॥

कैसी आरती होइ॥ भव खंडना तेरी आरती॥
अनहता सबद वाजंत भेरी॥१॥ रहाउ॥

सहस तव नैन नन नैन हहि तोहि कउ सहस मूरति नना एक तोही॥
सहस पद बिमल नन एक पद गंध बिनु सहस तव गंध इव चलत मोही॥२॥



www.MandirTheTemple.com

[@MandirTheTemple](https://www.instagram.com/MandirTheTemple)

[YouTube: @MandirTheTemple](https://www.youtube.com/@MandirTheTemple)

[Facebook: /MandirTheTemple](https://www.facebook.com/MandirTheTemple)



अर्थ व विधि
QR स्कैन करें



गगन मै थालु

Gagan Mai Thaal Aarti • MandirTheTemple.com

सभ महि जोति जोति है सोइ॥
तिस दै चानणि सभ महि चानणु होइ॥
गुर साखी जोति परगटु होइ॥
जो तिसु भावै सु आरती होइ॥३॥

हरि चरण कवल मकरंद लोभित मनो अनदिनो मोहि आही पिआसा॥
क्रिपा जलु देहि नानक सारिंग कउ होइ जा ते तेरै नाइ वासा॥४॥३॥



www.MandirTheTemple.com

Instagram: @MandirTheTemple

YouTube: @MandirTheTemple

Facebook: /MandirTheTemple



अर्थ व विधि
QR स्कैन करें